

प्रलिमिस फैक्ट्स : 21 जनवरी, 2021

- बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन
- गुरु गोबिंद सहि जयंती
- युद्धाभ्यास डेजरट नाइट-21

बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन

Bandipur Tiger Reserve

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन के नज़दीक नुगु जलाशय में फँसे एक जंगली हाथी को बचाया गया है।

- बाघ जनगणना 2018 के अनुसार, देश में मध्य प्रदेश के बाद कर्नाटक दूसरे स्थान पर है जहाँ बाघों की सर्वाधिक संख्या विद्यमान है।

प्रमुख बाढ़ि:

- स्थापना:** इसकी स्थापना प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1973 में की गई थी। वर्ष 1985 में वेणुगोपाला वन्यजीव पार्क से स्टेट क्षेत्रों को शामिल कर इसके क्षेत्रफल में वृद्धिकी गई तथा बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान नाम दिया गया।
- अवस्थिति:** यह कर्नाटक के दो नकिटम ज़िलों (मैसूर और चामराजनगर) में फैला हुआ है तथा कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्यों के त्रिजंक्षन क्षेत्र में स्थिति है। यह नीलगरी बायोसफ़ेर रजिस्ट्रेशन का एक हसिसा है।
- पारस्थितिक विविधिता:** यह देश के सबसे समृद्ध जैव विविधिता वाले क्षेत्रों में से एक है जो चारों ओर से नमिनलखित जैव विविधिता संपन्न क्षेत्रों से घरी हुआ है:
 - दक्षिण में मुदुमलाई टाइगर रजिस्ट्रेशन (तमिलनाडु)।
 - दक्षिण-पश्चिम में वायनाड वन्यजीव अभ्यारण्य (केरल)।
 - काबनी जलाशय उत्तर-पश्चिम में बांदीपुर और नागरहोल टाइगर रजिस्ट्रेशन को अलग करता है।
- जैव विविधिता:** यह विभिन्न पुष्प प्रजातियों और जीव विविधिता से संपन्न क्षेत्र है और देश के मेंगा जैव विविधिता क्षेत्रों (Mega Biodiversity Areas) के रूप में पहचाना जाता है।
 - बांदीपुर के साथ-साथ नागरहोल, मुदुमलाई, सत्यमंगलम और वायनाड में बाघों की वैश्वकि स्तर पर सबसे बड़ी आबादी पाई जाती है।
 - यह विश्व में एशियाई हाथीयों की आबादी का सबसे बड़ा आश्रय स्थल है तथा मैसूर एलीफेंट रजिस्ट्रेशन (Mysore Elephant Reserve-MER) का हसिसा है।
- नदियाँ और उच्चतम बढ़ि:** यह पार्क उत्तर में काबनी नदी और दक्षिण में मोयार नदी के मध्य स्थिति है। नुगु नदी पार्क के मध्य से बहती है। पार्क का उच्चतम बढ़ि हिमवद गोपालस्वामी बेट्टा (Himavad Gopalaswamy Betta) नामक पहाड़ी पर स्थिति है।
- कर्नाटक में अन्य टाइगर रजिस्ट्रेशन:**
 - भद्रा टाइगर रजिस्ट्रेशन (Bhadra Tiger Reserve)
 - नागरहोल टाइगर रजिस्ट्रेशन (Nagarahole Tiger Reserve)
 - डंडली-अंशी टाइगर रजिस्ट्रेशन (Dandeli-Anshi Tiger Reserve)
 - बिलिगिरी रंगनाथ स्वामी मंदिर टाइगर रजिस्ट्रेशन (Biligiri Ranganatha Swamy Temple (BRT) Tiger Reserve)
- इसके अलावा मलाई महादेशवरा वन्यजीव अभ्यारण्य को बाघ आरक्षित क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव दिया गया है।

एशियाई हाथी

- उप-प्रजातियाँ:** एशियाई हाथी की तीन उप-प्रजातियाँ हैं- भारतीय, सुमात्रा और श्रीलंकाई।

- संरक्षण स्थिति:
 - IUCN की रेड लिस्ट में लुपतपराय सूची में शामिल।
 - वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अनुसूची I में शामिल।
- संरक्षण हेतु प्रयास :
 - गज यात्रा।
 - हाथियों की अवैध हत्या की नगरानी हेतु कार्यक्रम (Monitoring the Illegal Killing of Elephants- MIKE)।
 - प्रोजेक्ट एलीफेंट।

गुरु गोबदि सहि जयंती

Guru Gobind Singh

हाल ही में प्रधानमंत्री ने गुरु गोबदि सहि की जयंती पर उन्हें शरद्धांजलि अरपति की।



प्रमुख बद्दि:

गुरु गोबदि सहि:

- दस सिख गुरुओं में अंतमि गुरु गोबदि सहि का जन्म 22 दसिंबर, 1666 को पटना, बहिर में हुआ था।
 - गुरु गोबदि सहि की जयंती नानकशाही कैलेंडर पर आधारित है, जिसके अनुसार, वर्ष 2021 में उनकी जयंती 20 जनवरी के दिन मनाई गई, जबकि पछिले वर्ष यह 2 जनवरी को मनाई गई थी।
- गुरु गोबदि सहि अपने पति 'गुरु तेग बहादुर' यानी नौवें सिख गुरु की मृत्यु के बाद 9 वर्ष की आयु में 10वें सिख गुरु बने।
- वर्ष 1708 में उनकी हत्या कर दी गई थी।

योगदान:

- धार्मिक योगदान:
 - उन्हें सिख धर्म में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिये जाना जाता है, जिसमें बालों को ढकने के लिये पगड़ी की शुरुआत भी शामिल है।
 - उन्होंने खालसा या पाँच 'ककार' (Khalsa or the Five 'K's) के सदिधांतों का प्रतिपादन किया।
 - ये पाँच 'ककार' हैं- केश, कंधा, कड़ा, कच्छा और कृपण। ये आस्था की पाँच वस्तुएँ हैं जिन्हें एक खालसा को हमेशा धारण करना चाहिये।
 - उन्होंने खालसा योद्धाओं के पालन करने हेतु कई अन्य नियम भी निरिधारित किये, जैसे- तंबाकू, शराब, हलाल मांस से परहेज आदि खालसा योद्धा निरिदोष लोगों को उत्पीड़न से बचाने के लिये कीरतवयनषिठ थे।
 - उन्होंने अपने बाद गुरु ग्रंथ साहिब (खालसा और सिखों के धार्मिक पुस्तक) को दोनों समुदायों का अगला गुरु घोषित किया।
- सैन्य:
 - उन्होंने वर्ष 1705 में मुगलों के खलिफ मुक्तसर की लड़ाई लड़ी थी।
 - वर्ष 1704 में आनंदपुर की लड़ाई में गुरु गोबदि सहि की माँ और उनके दो नाबालग पुत्रों की हत्या कर दी गई थी। इस लड़ाई में उनके बड़े बेटे की भी मौत हो गई।
- साहित्यिक योगदान:
 - उनके साहित्यिक योगदान में 'जाप साहिब', 'बेंती चौपाई', 'अमृत सवाई', आदि शामिल हैं।
 - उन्होंने जफरनामा भी लिखा था जो मुगल बादशाह औरंगजेब को लिखा गया एक पत्र था।

युद्धाभ्यास डेज़र्ट नाइट-21

Exercise Desert Knight-21

भारतीय वायु सेना (Indian Air Force- IAF) तथा 'फ्रांसीसी वायु और अंतरकिष्ट बल' द्वारा जोधपुर हवाई अड्डे पर 20-24 जनवरी, 2021 के बीच 'डेज़रट-21' (Desert Knight-21) नामक एक द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है।



प्रमुख बांडिः

- इस युद्धाभ्यास में दोनों पक्षों द्वारा राफेल विमानों को शामिल किया गया और दोनों प्रमुख वायु सेनाओं के बीच समन्वय में वृद्धि होने के भी संकेत हैं।
- वर्तमान में युद्धाभ्यास 'डेज़रट नाइट -21' के लिये फ्रांसीसी सैन्य ट्रुकड़ी को एशिया में उनकी 'स्काईरोज़ तैनाती' (Skyros Deployment) के हस्से के रूप में तैनात किया गया है।
 - भारत और फ्रांस के राफेल लड़ाकू जेट 'एक्सरसाइज़ स्काईरोज़' (Exercise SKYROS) नामक युद्धाभ्यास में हस्सा ले रहे हैं।
 - संतिवर 2020 से अब तक भारतीय वायु सेना में आठ राफेल लड़ाकू जेट को शामिल करते हुए उनका परचालन शुरू किया गया है। गौरतलब है कि भारत द्वारा वर्ष 2016 में 7.87-बलियन यूरो की लागत से फ्रांस के साथ 36 राफेल जेट विमानों के लिये अनुबंध किया गया था।
- भारत और फ्रांस के बीच रक्षा अभ्यास:
 - वरुण (Varuna) - नौसैनिक युद्धाभ्यास
 - गरुण (Garuda) - वायुसेना अभ्यास
 - शक्ति (Shakti) - संयुक्त सैन्य अभ्यास

नोटः

- भारतीय वायु सेना द्वारा हवि महासागर के संपूर्ण वसितारति क्षेत्र पर अपने हवाई प्रभुत्व का प्रदर्शन करने के लिये [गण शक्ति अभ्यास](#) का आयोजन किया जाता है।
 - इसमें सभी भू-भागों जैसे- रेगिस्तान, अधकि ऊँचाई, समुद्री परदीश्य में संचालन और विशेष अभियान शामिल हैं जिसे रयिल टाइम एरयिल कॉम्बैट, हवा से सतह पर मुकाबला, पैराट्रूपर अटैक और मेडिकल इवेक्युएशन (Medical Evacuation) जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए संचालित किया जाता है।
- 'गरुण शक्ति' भारत एवं इंडोनेशिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- 'मत्त्र शक्ति' भारत और श्रीलंका के बीच आयोजित किया जाने वाला संयुक्त सैन्य अभ्यास है।